

31-01-2023 The Secretary General laid a copy of the President's Address to both the Houses of Parliament Assembled together on 31st January 2023. PRESIDENT ADDRESS Secretary-General Economic Development Corruption Pradhan Mantri Awas Yojaya Ayushmaan Bharat One Nation One Ration Card Yojana

Title: The Secretary General laid a copy of the President's Address to both the Houses of Parliament Assembled together on 31st January 2023.

SECRETARY-GENERAL: Sir, I beg to lay on the Table a copy of the President's Address to both the Houses of Parliament assembled together on the 31st January, 2023.

***माननीय सदस्यगण,**

संसद के इस समवेत सत्र को संबोधित करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है । कुछ ही महीने पहले देश ने अपनी आज़ादी के 75 वर्ष पूरे करके आज़ादी के अमृतकाल में प्रवेश किया है । आज़ादी के इस अमृतकाल में हजारों वर्षों के गौरवशाली अतीत का गर्व जुड़ा है, भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम की प्रेरणाएं जुड़ी हैं और भारत के स्वर्णिम भविष्य के संकल्प जुड़े हैं ।

अमृतकाल का यह 25 वर्ष का कालखंड, स्वतन्त्रता की स्वर्णिम शताब्दी का, और विकसित भारत के निर्माण का कालखंड है । ये 25 वर्ष हम सबके लिए और देश के प्रत्येक नागरिक के लिए कर्तव्यों की पराकाष्ठा करके दिखाने के हैं । यह हमारे सामने युग निर्माण का अवसर है, और हमें इस अवसर के लिए शत-प्रतिशत सामर्थ्य के साथ हर क्षण कार्य करना है ।

- हमें 2047 तक ऐसे राष्ट्र का निर्माण करना है जो अतीत के गौरव से जुड़ा हो, और जिसमें आधुनिकता का हर स्वर्णिम अध्याय हो ।
- हमें ऐसा भारत बनाना है, जो आत्मनिर्भर हो और जो अपने मानवीय दायित्वों को पूरा करने के लिए भी समर्थ हो ।
- ऐसा भारत- जिसमें गरीबी न हो, जिसका मध्यम वर्ग भी वैभव से युक्त हो ।
- ऐसा भारत- जिसकी युवाशक्ति और नारीशक्ति, समाज और राष्ट्र को दिशा देने के लिए सबसे आगे खड़ी हो, जिसके युवा समय से दो कदम आगे चलते हों ।
- ऐसा भारत- जिसकी विविधता और अधिक उज्ज्वल हो, जिसकी एकता और अधिक अटल हो ।

2047 में देश जब इस सच्चाई को जीवंत करेगा तो निश्चित रूप से उस भव्य निर्माण की नींव का

अवलोकन और आकलन भी करेगा । तब आज़ादी के अमृतकाल की इस प्रथम बेला को एक अलग आस्था के साथ देखा जाएगा । इसलिए आज अमृतकाल का यह समय, यह कालखंड बहुत महत्वपूर्ण हो गया है ।

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार को, देश के लोगों ने, जब पहली बार सेवा का अवसर दिया, तब ?सबका साथ, सबका विकास? के मंत्र से हमने शुरुआत की थी । समय के साथ इसमें ?सबका विश्वास? और ?सबका प्रयास? भी जुड़ गया । यही मंत्र आज विकसित भारत के निर्माण की प्रेरणा बन चुका है । विकास के इस कर्तव्य पथ पर चलते हुए मेरी सरकार को कुछ ही महीनों में नौ वर्ष पूरे हो जाएंगे ।

मेरी सरकार के लगभग नौ वर्षों में भारत के लोगों ने अनेक सकारात्मक परिवर्तन पहली बार देखे हैं । सबसे बड़ा परिवर्तन यह हुआ है कि आज हर भारतीय का आत्मविश्वास शीर्ष पर है और दुनिया का भारत को देखने का नज़रिया बदला है ।

- जो भारत कभी अपनी अधिकांश समस्याओं के समाधान के लिए दूसरों पर निर्भर था, वही आज दुनिया की समस्याओं के समाधान का माध्यम बन रहा है ।
- जिन मूल सुविधाओं के लिए देश की एक बड़ी आबादी ने दशकों तक इंतज़ार किया, वे इन वर्षों में उसे मिली हैं ।
- जिस आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर की हम कभी कामना करते थे, वह इन वर्षों में देश में बनना शुरू हुआ है ।
- आज भारत में एक ऐसा डिजिटल नेटवर्क तैयार हुआ है, जिससे विकसित देश भी प्रेरणा ले रहे हैं ।
- बड़े-बड़े घोटालों, सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार की जिन समस्याओं से देश मुक्ति चाहता था, वह मुक्ति अब देश को मिल रही है ।
- पॉलिसी पैरालिसिस की चर्चा से बाहर आकर आज देश की पहचान तेज विकास और दूरगामी दृष्टि से लिए गए फैसलों के लिए हो रही है ।
- इसलिए हम दुनिया की 10वें नंबर की अर्थव्यवस्था से पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं ।

यही वो नींव है, जो आने वाले 25 साल में विकसित भारत के निर्माण के आत्मविश्वास को बुलंद करती है ।

माननीय सदस्यगण, भगवान बसवेश्वर ने कहा था ? **कायकवे कैलास** । अर्थात् कर्म ही पूजा है, कर्म में ही शिव हैं । उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए मेरी सरकार राष्ट्र निर्माण के कर्तव्य को पूरा करने में तत्परता से जुटी है ।

- आज भारत में, एक स्थिर, निडर, निर्णायक और बड़े सपनों के लिए काम करने वाली सरकार है ।
- आज भारत में ईमानदार का सम्मान करने वाली सरकार है ।
- आज भारत में गरीबों को स्थाई समाधान और उनके स्थाई सशक्तिकरण के लिए काम करने वाली सरकार है ।
- आज भारत में अभूतपूर्व स्पीड और स्केल पर काम करने वाली सरकार है ।

- आज भारत में इनोवेशन और टेक्नोलॉजी के माध्यम से जनकल्याण को सर्वोपरि रखने वाली सरकार है ।
- आज भारत में महिलाओं के सामने से हर बाधा को दूर करने वाली सरकार है ।
- आज भारत में प्रगति के साथ ही प्रकृति का भी संरक्षण करने वाली सरकार है ।
- आज भारत में विरासत के संरक्षण के साथ ही आधुनिकता को बढ़ावा देने वाली सरकार है ।
- आज भारत में अपनी वैश्विक भूमिका को लेकर आत्मविश्वास से आगे बढ़ने वाली सरकार है ।

माननीय सदस्यगण, मैं आज इस सत्र के माध्यम से, देशवासियों का आभार व्यक्त करती हूँ कि उन्होंने लगातार दो बार, एक स्थिर सरकार को चुना है । मेरी सरकार ने देशहित को सदैव सर्वोपरि रखा, नीति-रणनीति में संपूर्ण परिवर्तन की इच्छाशक्ति दिखाई । सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर आतंकवाद पर कठोर प्रहार तक, LoC से लेकर LAC तक हर दुस्साहस के कड़े जवाब तक, Article 370 को हटाने से लेकर तीन तलाक तक, मेरी सरकार की पहचान एक निर्णायक सरकार की रही है ।

स्थिर और निर्णायक सरकार होने का लाभ हमें 100 साल की सबसे बड़ी आपदा और उसके बाद बनी परिस्थितियों से निपटने में मिल रहा है । दुनिया में जहां भी राजनीतिक अस्थिरता है, वे देश आज भीषण संकटों से घिरे हैं । लेकिन मेरी सरकार ने राष्ट्रहित में जो भी निर्णय किए उससे भारत बाकी दुनिया से बहुत बेहतर स्थिति में है ।

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार का स्पष्ट मत है कि भ्रष्टाचार लोकतंत्र का और सामाजिक न्याय का सबसे बड़ा दुश्मन है । इसलिए बीते वर्षों से भ्रष्टाचार के विरुद्ध निरंतर लड़ाई चल रही है । हमने सुनिश्चित किया है कि व्यवस्था में ईमानदार का सम्मान होगा । भ्रष्टाचारियों के लिए समाज में किसी भी प्रकार की सहानुभूति न हो, इसके लिए सामाजिक चेतना भी देश में बढ़ रही है ।

बीते वर्षों में भ्रष्टाचार मुक्त eco-system बनाने की दिशा में, बेनामी संपत्ति अधिनियम को नोटिफाई किया गया । आर्थिक अपराध कर, फरार हुए अपराधियों की संपत्ति जब्त करने के लिए Fugitive Economic Offenders Act पारित किया गया । सरकारी कामों में पक्षपात और भ्रष्टाचार के चलन को भी खत्म करने के लिए प्रभावी system बनाया गया है । आज सरकारी कामों में टेंडर और खरीद के लिए Government-e-Market place (GeM) जैसी व्यवस्था है जिसमें अब तक तीन लाख करोड़ रुपए से अधिक का transaction हुआ है ।

राष्ट्र निर्माण में ईमानदार योगदान देने वालों को आज विशेष सम्मान दिया जा रहा है । इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने में कई जटिलताओं को खत्म कर देशवासियों का जीवन आसान बनाया गया है । Faceless जांच को बढ़ावा देने की वजह से व्यवस्था में पारदर्शिता आई है, और उसे जवाबदेह भी बनाया गया है । पहले टैक्स रिफंड के लिए लंबा इंतज़ार करना पड़ता था । आज ITR भरने के कुछ ही दिनों के भीतर रिफंड मिल जाता है । आज GST से पारदर्शिता के साथ-साथ करदाताओं की गरिमा भी सुनिश्चित हो रही है ।

जनधन-आधार-मोबाइल से फर्जी लाभार्थियों को हटाने से लेकर वन नेशन वन राशन कार्ड तक, एक बहुत बड़ा स्थाई सुधार हमने किया है । बीते वर्षों में डीबीटी के रूप में, डिजिटल इंडिया के रूप में, एक स्थाई और पारदर्शी व्यवस्था देश ने तैयार की है । आज 300 से ज्यादा योजनाओं का पैसा सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते तक

पहुंच रहा है । अब तक पूरी पारदर्शिता से 27 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की रकम करोड़ों लोगों तक पहुंचाई गई है । वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट कहती है कि ऐसी योजनाओं और ऐसी व्यवस्थाओं के कारण ही कोरोना काल में भारत करोड़ों लोगों को गरीबी रेखा से नीचे जाने से बचा पाया है ।

जब भ्रष्टाचार रुकता है और टैक्स की पाई-पाई का सदुपयोग होता है, तब हर टैक्सपेयर को भी गर्व होता है ।

माननीय सदस्यगण, आज देश का ईमानदार करदाता चाहता है कि सरकारें shortcut की राजनीति से बचें । ऐसी योजनाएं बनें, जो समस्याओं के स्थाई समाधान को प्रोत्साहित करें, जिनसे सामान्य जन का सशक्तिकरण हो । इसलिए मेरी सरकार ने वर्तमान चुनौतियों से निपटने के साथ ही देशवासियों के दीर्घकालिक सशक्तिकरण पर बल दिया है ।

?गरीबी हटाओ?, अब केवल नारा नहीं रह गया है। अब मेरी सरकार द्वारा गरीब की चिंताओं का स्थाई समाधान करते हुए, उसे सशक्त बनाने का काम किया जा रहा है ।

जैसे, गरीबी का एक बहुत बड़ा कारण बीमारी होती है । गंभीर बीमारी से गरीब परिवार का हौसला पूरी तरह से टूट जाता है, पीढ़ियां कर्ज में डूब जाती हैं । गरीब को इस चिंता से मुक्त करने के लिए राष्ट्रव्यापी आयुष्मान भारत योजना शुरू की गई । इसके तहत 50 करोड़ से अधिक देशवासियों के लिए मुफ्त इलाज की सुविधा दी गई । आयुष्मान भारत योजना ने देश के करोड़ों गरीबों को और गरीब होने से बचाया है, उनके 80 हजार करोड़ रुपए खर्च होने से बचाए हैं । आज देशभर में करीब नौ हजार जनऔषधि केन्द्रों में बहुत कम कीमत में दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं । इससे बीते वर्षों में गरीबों के करीब 20 हजार करोड़ रुपए बचे हैं । यानि सिर्फ आयुष्मान भारत और जनऔषधि परियोजना से ही देशवासियों को एक लाख करोड़ रुपए की मदद हुई है ।

मैं सामान्य नागरिकों के जीवन से जुड़े सबसे महत्वपूर्ण संसाधन, पानी का उदाहरण आप सभी के सामने रखना चाहूंगी । मेरी सरकार ने ?हर घर जल? पहुंचाने के लिए ?जल जीवन मिशन? शुरू किया । उसके पहले तक सात दशकों में देश में करीब सवा तीन करोड़ घरों तक ही पानी का connection पहुंचा था । लेकिन, जल जीवन मिशन के तहत इन तीन वर्षों में करीब 11 करोड़ परिवार Piped Water Supply से जुड़ चुके हैं । इसका सबसे ज्यादा लाभ गरीब परिवारों को ही हो रहा है, उनकी चिंता का स्थाई समाधान हो रहा है ।

बीते वर्षों में सरकार ने साढ़े तीन करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को पक्का घर बनाकर दिया है । जब घर मिलता है तो नया आत्मविश्वास आता है । इससे, उस परिवार का वर्तमान तो सुधरता ही है, उस घर में जो संतान बड़ी होती है उसके आत्मविश्वास में भी वृद्धि होती है । सरकार ने टॉयलेट, बिजली, पानी, गैस, ऐसी हर मूल सुविधा की चिंता से गरीब को मुक्त करने का प्रयास किया है । इससे देश की जनता को भी यह विश्वास हुआ है कि सरकारी योजना और सरकारी लाभ वास्तव में ज़मीन पर पहुंचता है और भारत जैसे विशाल देश में भी शत-प्रतिशत coverage यानि saturation संभव है ।

हमारे ग्रंथों में लिखा है-

अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम् ।

यानी यह अपना है, यह पराया है, ऐसी सोच सही नहीं होती । मेरी सरकार ने बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग के लिए काम किया है । बीते कुछ वर्षों में मेरी सरकार के प्रयासों का नतीजा है कि अनेक मूल सुविधाएं आज या तो शत-प्रतिशत आबादी तक पहुंच चुकी हैं या फिर उस लक्ष्य के बहुत निकट हैं ।

मेरी सरकार हर योजना में शत-प्रतिशत saturation के साथ ही अंत्योदय के प्रति भी पूरी निष्ठा से काम कर रही है । हमारी कोशिश है कि योजनाओं का लाभ सही और सभी लाभार्थियों को मिले, कोई भी सरकार की योजना के लाभ से वंचित न रहे ।

माननीय सदस्यगण, हमने देखा है कि कोरोना काल के दौरान दुनिया भर में किस तरह गरीब के लिए गुज़ारा मुश्किल हो गया । लेकिन भारत उन देशों में से एक है जिसने गरीब का जीवन बचाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और कोशिश की, कि देश में कोई गरीब भूखा नहीं सोए । मुझे खुशी है कि मेरी सरकार ने पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना को नई परिस्थितियों के अनुसार आगे भी चलाने का निर्णय लिया है । यह एक संवेदनशील और गरीब-हितैषी सरकार की पहचान है । पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत सरकार गरीबों को मुफ्त अनाज के लिए लगभग साढ़े तीन लाख करोड़ रुपए खर्च कर चुकी है । आज इस योजना की प्रशंसा पूरे विश्व में हो रही है । इस प्रशंसा की एक वजह ये भी है कि टेक्नोलॉजी की मदद से बनी पारदर्शी व्यवस्था में अनाज पूरा का पूरा हर लाभार्थी तक पहुंच रहा है ।

माननीय सदस्यगण, हमारे देश में ऐसे अनेक वर्ग तथा ऐसे अनेक क्षेत्र हैं, जिनकी उम्मीदों और आवश्यकताओं पर समुचित ध्यान देकर ही समग्र विकास की परिकल्पना को पूरा किया जा सकता है । अब मेरी सरकार ऐसे हर वंचित वर्ग और वंचित क्षेत्र को वरीयता देते हुए काम कर रही है ।

मेरी सरकार ने हर उस समाज की इच्छाओं को पूरा किया है, जो सदियों से वंचित रहा है । गरीब, दलित, पिछड़े, आदिवासी, इनकी इच्छाओं को पूरा कर उन्हें सपने देखने का साहस दिया है । कोई भी काम और कोई भी प्रयास छोटा नहीं होता, बल्कि विकास में सभी की अपनी भूमिका है । इसी भाव के साथ वंचित वर्गों और अविकसित क्षेत्रों के विकास पर बल दिया जा रहा है ।

रेहड़ी-ठेले-फुटपाथ पर बड़ी संख्या में हमारे छोटे व्यवसायी, अपना व्यापार-कारोबार और दुकानदारी करते हैं । मेरी सरकार ने विकास में इन साथियों की भूमिका को भी सराहा है । इसलिए पहली बार इनको फॉर्मल बैंकिंग से जोड़ा और पीएम स्वनिधि के माध्यम से सस्ते और बिना गारंटी के ऋण की व्यवस्था की । योजना के तहत स्ट्रीट वेंडर्स को डिजिटल लेनदेन के लिए प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है । अभी तक करीब 40 लाख साथियों को इसके तहत ऋण दिया जा चुका है ।

मेरी सरकार की प्राथमिकता में देश के 11 करोड़ छोटे किसान भी हैं । ये छोटे किसान, दशकों से, सरकार की प्राथमिकता से वंचित रहे थे । अब इन्हें सशक्त और समृद्ध करने के लिए हर तरह की कोशिश की जा रही है । पीएम किसान सम्मान निधि के तहत इन छोटे किसानों को सवा दो लाख करोड़ रुपए से अधिक की मदद दी गई है । खास बात ये है कि इन लाभार्थियों में लगभग तीन करोड़ लाभार्थी महिलाएं हैं । इससे अभी तक लगभग 54 हजार करोड़ रुपए महिला किसानों को मिल चुके हैं । इसी तरह छोटे किसानों के लिए फसल बीमा, सॉयल हेल्थ कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड-KCC की coverage बढ़ाने के साथ ही

हमारी सरकार ने पहली बार पशुपालकों और मछुआरों को भी किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा से जोड़ा है । किसानों के सामर्थ्य को बढ़ाने के लिए एफ. पी. ओ. यानि Farmer Producer Organisations की स्थापना से लेकर फसलों के M.S.P. में वृद्धि करते हुए, मेरी सरकार, छोटे किसानों के साथ, मजबूती से खड़ी है ।

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार ने अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग की आकांक्षा को जगाया है । ये वही वर्ग है जो विकास के लाभ से सबसे अधिक वंचित था । अब जब मूल सुविधाएं इस वर्ग तक पहुंच रही हैं, तब ये लोग नए सपने देखने में सक्षम हो पा रहे हैं । अनुसूचित जाति के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए डॉक्टर आंबेडकर उत्सव धाम, अमृत जलधारा और युवा उद्यमी योजना जैसे कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं । आदिवासी गौरव के लिए तो मेरी सरकार ने अभूतपूर्व फैसले किए हैं । पहली बार देश ने भगवान बिरसा मुंडा के जन्म दिवस को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाना शुरू किया । हाल में ही मानगढ़ धाम में सरकार ने आदिवासी क्रांतिवीरों को पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर श्रद्धांजलि दी । आज 36 हज़ार से अधिक आदिवासी बाहुल्य वाले गांवों को प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना के तहत विकसित किया जा रहा है । आज देश में 400 से अधिक एकलव्य मॉडल स्कूल आदिवासी क्षेत्रों में खुल चुके हैं । देशभर में तीन हज़ार से अधिक वनधन विकास केंद्र आजीविका के नए साधन बने हैं । मेरी सरकार ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देकर O.B.C. के welfare के लिए हमारी प्रतिबद्धता को स्पष्ट किया है । बंजारा, घुमंतू, अर्ध-घुमंतू समुदायों के लिए भी पहली बार Welfare and Development Board का गठन किया गया है ।

माननीय सदस्यगण, देश में 100 से अधिक जिले ऐसे थे जो विकास के अनेक पैमानों में पीछे रह गए थे । सरकार ने इन जिलों को आकांक्षी जिला, Aspirational District घोषित कर, इनके विकास पर ध्यान दिया । आज ये जिले देश के दूसरे जिलों से बराबरी की ओर बढ़ रहे हैं । आकांक्षी जिलों की सफलता को अब मेरी सरकार ब्लॉक स्तर पर दोहराने के लिए काम कर रही है, और इसके लिए देश में 500 blocks को Aspirational Block के रूप में विकसित करने का कार्य शुरू किया गया है । ये आकांक्षी ब्लॉक, सामाजिक न्याय की एक संस्थागत व्यवस्था के तौर पर विकसित किए जा रहे हैं ।

देश के जनजातीय क्षेत्रों, पहाड़ी क्षेत्रों, समुद्री क्षेत्रों और सीमावर्ती क्षेत्रों को भी बीते दशकों में विकास का सीमित लाभ ही मिल पाया था । नॉर्थ ईस्ट और जम्मू कश्मीर में तो दुर्गम परिस्थितियों के साथ-साथ अशांति और आतंकवाद भी विकास के सामने बहुत बड़ी चुनौती थी । मेरी सरकार ने स्थाई शांति के लिए भी अनेक सफल कदम उठाए हैं और भौगोलिक चुनौतियों को भी चुनौती दी है । इसी का परिणाम है कि नॉर्थ ईस्ट और हमारे सीमावर्ती क्षेत्र, विकास की एक नई गति का अनुभव कर रहे हैं ।

सीमावर्ती गांवों तक बेहतर सुविधाएं पहुंचाने के लिए मेरी सरकार ने Vibrant Villages Programme पर काम शुरू किया है । राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से भी सीमावर्ती क्षेत्रों में अभूतपूर्व infrastructure बीते सालों में तैयार किया गया है । इससे भी, इन क्षेत्रों में विकास को गति मिल रही है । पिछले कुछ दशकों से राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा बन चुकी वामपंथी हिंसा भी अब कुछ जिलों तक ही सीमित रह गई है ।

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार की एक बहुत बड़ी उपलब्धि महिला सशक्तिकरण की रही है । इस संदर्भ में मुझे ?नारी-शक्ति? नामक एक प्रेरक कविता का स्मरण होता है जिसे भारतीय साहित्य की अमर विभूति, स्वाधीनता सेनानी तथा ओडिया भाषा की सुप्रसिद्ध नारी कवि ?उत्कल भारती? कुंतला कुमारी साबत ने लिखा था ।

आज से लगभग 100 वर्ष पहले उन्होंने यह उद्घोष किया था:

"बसुंधरा-तले भारत-रमणी नुहे हीन नुहे दीन

अमर कीरति कोटि युगे केभें जगतुं नोहिब लीन ।?

अर्थात्

भारत की नारी पृथ्वी पर किसी की तुलना में न तो हीन है, न दीन है । सम्पूर्ण जगत में उसकी अमर कीर्ति युगों-युगों तक कभी लुप्त नहीं होगी यानि सदैव बनी रहेगी ।

मुझे यह देखकर गर्व होता है कि आज की हमारी बहनें और बेटियां उत्कल भारती के सपनों के अनुरूप विश्व स्तर पर अपनी कीर्ति पताका लहरा रही हैं । मुझे प्रसन्नता है कि महिलाओं की ऐसी प्रगति के पीछे मेरी सरकार के प्रयासों का संबल रहा है ।

मेरी सरकार द्वारा जितनी भी कल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई हैं, उनके केंद्र में महिलाओं का जीवन आसान बनाना, महिलाओं को रोजगार-स्वरोजगार के नए अवसर देना और महिला सशक्तिकरण रहा है । महिला उत्थान में जहां पुरानी धारणाओं और पुरानी मान्यताओं को तोड़ना भी पड़ा, उससे भी सरकार पीछे नहीं हटी है ।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ? अभियान की सफलता आज हम देख रहे हैं । सरकार के प्रयासों से समाज में जो चेतना आई, उससे बेटियों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है । देश में पहली बार पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या अधिक हुई है एवं महिलाओं का स्वास्थ्य भी पहले के मुकाबले और बेहतर हुआ है । प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान हो या फिर प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना, इनसे मां और बच्चे, दोनों के जीवन को बचाने में हम सफल रहे हैं । आयुष्मान भारत योजना की भी लगभग 50 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं ही हैं ।

माननीय सदस्यगण, मेरी सरकार बेटियों की पढ़ाई से लेकर उनके करियर तक हर बाधा को दूर करने का प्रयास कर रही है । देश के सरकारी स्कूलों में बेटियों के लिए अलग टॉयलेट्स का निर्माण हो या फिर सैनिटरी पैड्स से जुड़ी योजना, इससे बेटियों के ड्रॉप आउट रेट में बहुत कमी आई है । स्वच्छ भारत अभियान से महिलाओं की गरिमा तो बढ़ी ही है, इससे एक सुरक्षित माहौल भी उन्हें मिला है । सुकन्या समृद्धि योजना से देशभर की करोड़ों बेटियों के बेहतर भविष्य के लिए पहली बार सेविंग अकाउंट खुले हैं । नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी बेटियों की शिक्षा के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं ।

मेरी सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि किसी भी काम, किसी भी कार्यक्षेत्र में महिलाओं के लिए कोई बंदिश न हो । इसलिए माइनिंग से लेकर सेना में अग्रिम मोर्चों तक, हर सेक्टर में महिलाओं की भर्ती को खोल दिया गया है । सैनिक स्कूलों से लेकर मिलिट्री ट्रेनिंग स्कूलों तक में, अब हमारी बेटियां पढ़ाई और ट्रेनिंग कर रही हैं । ये मेरी सरकार ही है जिसने मातृत्व अवकाश को 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह किया है ।

मुद्रा योजना की लगभग 70 प्रतिशत लाभार्थी महिला उद्यमी ही हैं । एक स्टडी के अनुसार, इस योजना से, महिलाओं की आर्थिक शक्ति और सामाजिक फैसलों में उनकी भागीदारी, बढ़ी है । पीएम आवास योजना के तहत मिलने वाले घरों की रजिस्ट्री भी महिलाओं के नाम पर होने से महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है । जनधन योजना से पहली बार देश में बैंकिंग सुविधाओं में महिलाओं और पुरुषों के बीच अब बराबरी आ गई है । देश में इस समय 80 लाख से ज्यादा स्वयं सहायता समूह भी काम कर रहे हैं, जिनमें करीब नौ करोड़ महिलाएं जुड़ी हुई हैं । इन महिला स्वयं सहायता समूहों को सरकार द्वारा लाखों करोड़ रुपए की मदद दी जा रही है ।

माननीय सदस्यगण, हमारी विरासत हमें जड़ों से जोड़ती है और हमारा विकास आसमान को छूने का हौसला देता है । इसलिए मेरी सरकार ने विरासत को मजबूती देने और विकास को प्राथमिकता देने की राह चुनी है ।

आज एक तरफ देश में अयोध्या धाम का निर्माण हो रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ आधुनिक संसद भवन भी बन रहा है ।

एक तरफ हमने केदारनाथ धाम, काशी विश्वनाथधाम और महाकाल महालोक का निर्माण किया, तो वहीं हर जिले में हमारी सरकार मेडिकल कॉलेज भी बनवा रही है ।

एक तरफ हम अपने तीर्थों और ऐतिहासिक धरोहरों का विकास कर रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ भारत दुनिया की बड़ी स्पेस पावर बन रहा है । भारत ने पहला प्राइवेट सैटेलाइट भी लॉन्च किया है ।

एक तरफ हम आदि शंकराचार्य, भगवान बसवेश्वर, तिरुवल्लुवर, गुरु नानक देव जैसे संतों के दिखाए रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ आज भारत हाईटेक नॉलेज का हब भी बनता जा रहा है ।

एक तरफ हम काशी-तमिल संगमम्के जरिए एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत कर रहे हैं तो वहीं वन नेशन, वन राशन कार्ड जैसी आधुनिक व्यवस्था भी बना रहे हैं । डिजिटल इंडिया और 5G टेक्नॉलॉजी में भारत के सामर्थ्य का लोहा आज पूरी दुनिया मान रही है ।

आज भारत जहां योग और आयुर्वेद जैसी अपनी पुरातन विधाओं को पूरी दुनिया तक पहुंचा रहा है, वहीं दूसरी तरफ फार्मसी ऑफ द वर्ल्ड की नई पहचान भी सशक्त कर रहा है ।

आज भारत जहां प्राकृतिक खेती को, मिलेट्स की अपनी परंपरागत फसलों को प्रोत्साहित कर रहा है, वहीं नैनो यूरिया जैसी आधुनिक टेक्नॉलॉजी का भी विकास किया है ।

खेती के लिए एक तरफ जहां ग्रामीण infrastructure को हम बेहतर बना रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ ड्रोन टेक्नॉलॉजी से, सोलर पावर से किसान को ताकत दे रहे हैं ।

शहरों में जहां स्मार्ट सुविधाओं के विकास पर बल दिया जा रहा है, वहीं स्वामित्व योजना से पहली बार गांव के घरों की ड्रोन से मैपिंग की जा रही है ।

आज़ादी के अमृत महोत्सव पर जहां आज हर जिले में 75 अमृत सरोवर बनाए जा रहे हैं, तो वहीं सैकड़ों आधुनिक वंदे भारत ट्रेनें भी लॉन्च हो रही हैं ।

एक ओर हमारे व्यापार की परंपरागत ताकत रहे, नदी जलमार्गों और बंदरगाहों को भी आधुनिक बनाया जा रहा है, तो मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक पार्क का नेटवर्क भी तैयार हो रहा है ।

माननीय सदस्यगण, आज़ादी के अमृतकाल में देश पंच प्राणों की प्रेरणा से आगे बढ़ रहा है । गुलामी के हर निशान, हर मानसिकता से मुक्ति दिलाने के लिए भी मेरी सरकार निरंतर प्रयासरत है ।

जो कभी राजपथ था, वह अब कर्तव्यपथ बन चुका है ।

आज कर्तव्यपथ पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा हर भारतीय को गौरवान्वित कर रही है, तो अंडमान निकोबार में भी नेताजी और आज़ाद हिंद फौज के शौर्य को हमने सम्मान दिया है । अभी कुछ ही दिन पहले मेरी सरकार ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह में नेताजी सुभाषचंद्र बोस आइलैंड पर नेताजी को समर्पित भव्य स्मारक और म्यूजियम का शिलान्यास भी किया है ।

भारतीय सेना के परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर अंडमान निकोबार के 21 द्वीपों का नामकरण भी किया गया है ।

एक तरफ नेशनल वॉर मेमोरियल आज राष्ट्रीय शौर्य का प्रतीक बन गया है, तो वहीं हमारी नौसेना को भी अब छत्रपति वीर शिवाजी महाराज का दिया प्रतीक चिन्ह मिला है ।

एक तरफ जहां भगवान बिरसा मुंडा सहित तमाम आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़े संग्रहालय बन रहे हैं, डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर के पंचतीर्थ बनाए गए हैं, वहीं दूसरी तरफ हर प्रधानमंत्री के योगदान को दर्शाने वाले प्रधानमंत्री संग्रहालय का निर्माण भी किया गया है ।

देश ने प्रथम ?वीर बाल दिवस? को भी पूरे गर्व और श्रद्धा से मनाया है । इतिहास की पीड़ाओं और उनके साथ जुड़ी शिक्षाओं को जागृत रखने के लिए देशमें ?विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस? की शुरुआत भी मेरी सरकार ने की है ।

माननीय सदस्यगण, मेड इन इंडिया अभियान और आत्मनिर्भर भारत अभियान की सफलता का लाभ देश को मिलना शुरु हो चुका है । आज भारत में मैन्युफेक्चरिंग की अपनी कैपेसिटी भी बढ़ रही है और दुनिया भर से भी मैन्युफेक्चरिंग कंपनियां भारत आ रही हैं ।

आज हम भारत में ही सेमी कंडक्टर चिप से लेकर हवाई जहाज के निर्माण तक के लिए प्रयास शुरु कर चुके हैं । ऐसे ही प्रयासों का परिणाम है कि भारत में बने सामान का निर्यात लगातार बढ़ रहा है । कुछ वर्ष पहले तक हम बड़ी संख्या में मोबाइल फोन आयात करते थे । आज भारत दुनिया में मोबाइल फोन का एक बड़ा निर्यातक बन चुका है । देश में खिलौनों के आयात में 70 प्रतिशत कमी आई है, जबकि निर्यात 60 प्रतिशत से भी ज्यादा बढ़ा है ।

मेरी सरकार की नई पहल के परिणामस्वरूप हमारा रक्षा निर्यात छह गुना हो गया है । मुझे गर्व है कि हमारी सेना में आज INS विक्रांत के रूप में पहला स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर भी शामिल हुआ है । हम मैन्युफेक्चरिंग के नए सेक्टर में ही प्रवेश नहीं कर रहे, बल्कि खादी और ग्रामोद्योग जैसे अपने पारंपरिक सेक्टर में भी प्रशंसनीय काम कर रहे हैं । ये हम सभी के लिए खुशी की बात है कि आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान देश के खादी और ग्रामीण उद्योग का टर्नओवर एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का हो चुका है । मेरी सरकार के प्रयासों से, **खादी की बिक्री भी चार गुना बढ़ी है ।**

माननीय सदस्यगण, **मेरी सरकार ने** innovation और entrepreneurship पर निरंतर अभूतपूर्व बल दिया है । इससे दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले हमारे देश की ताकत का सदुपयोग हो रहा है । आज हमारे युवा अपने इनोवेशन की ताकत दुनिया को दिखा रहे हैं । 2015 में भारत ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में 81वें स्थान पर था । अब हम 40वें स्थान पर पहुँच गए हैं । सात वर्ष पहले जहां भारत में कुछ सौ रजिस्टर्ड स्टार्ट अप्स ही थे, वहीं आज यह संख्या लगभग 90 हजार पहुंच रही है ।

आज के युग में हमारी सेनाओं का भी युवाशक्ति में समृद्ध होना, युद्धशक्ति में निपुण होना, टेक्नोलॉजी की पावर से लैस रहना, बहुत अहम है । इन सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए अग्निवीर योजना शुरु की गई है । इससे देश की युवाशक्ति को सेनाओं के माध्यम से राष्ट्र की सेवा का अधिकतम अवसर मिलेगा ।

मेरी सरकार देश के युवाओं की शक्ति को खेलों के जरिए भी देश के सम्मान से जोड़ रही है। हमारे खिलाड़ियों ने कामनवेल्थ गेम्स से लेकर ओलंपिक और पैरा गेम्स में अभूतपूर्व प्रदर्शन कर यह साबित किया है कि उनकी प्रतिभा किसी से कम नहीं है। देश के कोने-कोने में ऐसी प्रतिभाओं को खोजने, उनका टैलेंट निखारने के लिए खेलो इंडिया गेम्स, खेलो इंडिया सेंटर्स से लेकर TOPS स्कीम तक चलाई जा रही है।

हमारी सरकार दिव्यांग कल्याण को लेकर भी पूरी तरह संवेदनशील है। देश में एक साइन लैंग्वेज? और सुगम्य भारत अभियान ने दिव्यांग युवाओं को बहुत मदद दी है।

माननीय सदस्यगण, बीते दशकों में हमने भारत में infrastructure के निर्माण में दो बड़ी चुनौतियां देखी हैं। एक, infrastructure के बड़े प्रोजेक्ट समय पर पूरे नहीं हो पाते थे। दूसरा, अलग-अलग विभाग, अलग-अलग सरकारें, अपनी-अपनी सुविधा से काम करती थीं। इससे सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग भी होता था, समय भी अधिक लगता था और सामान्य जन को भी असुविधा होती थी। मेरी सरकार ने पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान बनाकर इन चुनौतियों से निपटने के लिए ठोस कदम उठाया है। पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान को लेकर राज्यों और यूनियन टेरिटरीज ने भी उत्साह दिखाया है। इससे देश में मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी का भी विस्तार होगा।

मेरी सरकार भारत को विश्व का सबसे कंपीटिटिव लॉजिस्टिक्स हब बनाने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए पिछले वर्ष देश में नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी लागू की गई है। इस पॉलिसी के लागू होने से लॉजिस्टिक कॉस्ट में काफी कमी आएगी।

मेरी सरकार देश के विकास के लिए जिस स्पीड और स्केल पर काम कर रही है, वह अभूतपूर्व है, अतुलनीय है।

- मेरी सरकार के आने के बाद भारत में गरीबों के लिए औसतन हर रोज आवास योजना के 11 हजार घर बने।
- इसी अवधि में भारत में हर रोज औसतन ढाई लाख लोग, ब्रॉडबैंड कनेक्शन से जुड़े।
- हर रोज 55 हजार से ज्यादा गैस कनेक्शन दिए गए।
- मुद्रा योजना के तहत हर रोज 700 करोड़ रुपए से ज्यादा का लोन दिया गया।
- बीते आठ-नौ वर्षों में भारत में लगभग हर महीने एक मेडिकल कॉलेज बना है।
- इस दौरान देश में हर दिन में दो कॉलेजों की स्थापना हुई है, हर सप्ताह एक यूनिवर्सिटी बनी है।
- सिर्फ दो साल के भीतर भारत ने 220 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन की डोज भी दी है।

Social infrastructure की बात करें तो साल 2004 से 2014 के बीच देश में जहां 145 मेडिकल कॉलेज खुले थे, वहीं मेरी सरकार में 2014 से 2022 तक 260 से अधिक मेडिकल कॉलेज खोले जा चुके हैं। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट सीटों की संख्या अब पहले के मुकाबले देश में दोगुनी हो चुकी है। 2014 से पहले जहां देश में कुल लगभग 725 विश्वविद्यालय थे, वहीं बीते केवल आठ वर्षों में 300 से अधिक नए विश्वविद्यालय बने हैं। इसी दौरान देश में पांच हजार से अधिक कॉलेज भी खोले गए हैं।

इसी प्रकार physical infrastructure में तो देश में कई नए रिकॉर्ड बने हैं । प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में 2013-14 तक देश में करीब तीन लाख इक्यासी हजार किलोमीटर सड़कें बनीं थीं । जबकि, 2021-22 तक ग्रामीण सड़कों का ये नेटवर्क सात लाख किलोमीटर से भी ज्यादा हो गया है । अब तक देश की 99 प्रतिशत से अधिक बस्तियां सड़क मार्ग से जुड़ चुकी हैं । वर्ल्ड बैंक सहित अनेक संस्थाओं की स्टडी के अनुसार ग्रामीण सड़कों से गांवों में रोज़गार, खेती, शिक्षा और स्वास्थ्य पर बहुत सकारात्मक असर पड़ा है ।

नेशनल हाइवे नेटवर्क में पिछले आठ वर्षों के दौरान 55 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है । जल्द ही भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत देश के 550 से ज्यादा जिले हाइवे से जुड़ जाएंगे । अर्थव्यवस्था को गति देने वाले corridors की संख्या 6 से बढ़कर 50 होने वाली है ।

इसी तरह, देश का एविएशन सेक्टर भी तेजी से आगे बढ़ रहा है । साल 2014 तक जहां देश में एयरपोर्ट्स की संख्या 74 थी, वह अब बढ़कर 147 हो गई है । आज भारत दुनिया का तीसरा बड़ा एविएशन मार्केट बन चुका है । इसमें उड़ान योजना की भी बहुत बड़ी भूमिका है । भारतीय रेलवे अपने आधुनिक अवतार में सामने आ रही है और देश के रेलवे मैप में अनेक दुर्गम क्षेत्र भी जुड़ रहे हैं । वंदे भारत एक्सप्रेस के रूप में एक आधुनिक और सेमी हाईस्पीड ट्रेन भारतीय रेल का हिस्सा बन चुकी है । जम्मू कश्मीर और नॉर्थ ईस्ट के दुर्गम क्षेत्रों को भी रेलवे से जोड़ा जा रहा है । देश के बड़े रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाया जा रहा है । भारतीय रेलवे दुनिया का सबसे बड़ा बिजली से चलने वाला रेलवे नेटवर्क बनने की दिशा में तेज़ी से अग्रसर है । भारतीय रेल को सुरक्षित बनाने के लिए स्वदेशी तकनीक ?कवच का भी हम तेज़ी से विस्तार कर रहे हैं ।

माननीय सदस्यगण, भारत ने उस सोच को भी बदला है जो प्रगति और प्रकृति को परस्पर विरोधी मानती थी । मेरी सरकार ग्रीन ग्रोथ पर ध्यान दे रही है और पूरे विश्व को मिशन LIFE से जोड़ने पर बल दे रही है । सरकार ने पिछले आठ वर्षों में सोलर एनर्जी क्षमता को करीब 20 गुना बढ़ाया है । आज भारत, रीन्युएबल एनर्जी की क्षमता में विश्व में चौथे स्थान पर है । देश के बिजली उत्पादन की 40 प्रतिशत क्षमता नॉन-फॉसिल fuels से पैदा करने का लक्ष्य देश ने नौ वर्ष पहले ही हासिल कर लिया है । यह सफलता वर्ष 2070 तक नेट जीरो के हमारे संकल्प को सशक्त करने वाली है । देश में,पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग के लक्ष्य पर भी तेजी से काम चल रहा है ।

सरकार ने हाल में मिशन हाइड्रोजन को भी स्वीकृति दी है । यह ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में भारत में लाखों करोड़ रुपए के निवेश को आकर्षित करने वाला है । इसके फलस्वरूप क्लीन एनर्जी को लेकर भी,और एनर्जी सिक्योरिटी के लिए भी, विदेशों पर हमारी निर्भरता कम होगी । देश के शहरों से प्रदूषण कम करना भी हमारी बहुत बड़ी प्राथमिकता है । इसलिए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के लिए बहुत बड़े स्तर पर काम चल रहा है । FAME योजना के तहत राजधानी दिल्ली सहित देश के अनेक शहरों में केंद्र सरकार द्वारा सात हजार से अधिक इलेक्ट्रिक बसें पब्लिक ट्रांसपोर्ट में जोड़ी जा रही हैं । बीतेआठ वर्षों में देश में मेट्रो नेटवर्क में तीन गुना से अधिक बढ़ोतरी हुई है । आज 27 शहरों में मेट्रो ट्रेन पर काम चल रहा है । इसी प्रकार देशभर में 100 से ज्यादा नए वॉटरवे भी विकसित किए जा रहे हैं । ये नए वॉटरवे देश में ट्रांसपोर्ट सेक्टर का कायाकल्प करने में मदद करेंगे ।

माननीय सदस्यगण, आज की दुनिया अनेक चुनौतियों से गुज़र रही है । दशकों पहले बनी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की प्रासंगिकता और प्रभाव पर भी प्रश्न उठ रहे हैं । इन परिस्थितियों में भारत ऐसा देश बनकर उभरा है जो आज की विभाजित दुनिया को किसी न किसी रूप में जोड़ रहा है । भारत आज उन देशों में है जो ग्लोबल सप्लाइ चेन पर विश्वास को फिर से सशक्त कर रहे हैं । इसलिए आज दुनिया भारत की तरफ उम्मीद की नज़रों से देख रही है ।

इस वर्ष भारत G-20 जैसे प्रभावी समूह का नेतृत्व कर रहा है । **One Earth, One Family, One Future** के मंत्र के साथ भारत की पूरी कोशिश है कि G-20 के सदस्य देशों के साथ मिलकर मौजूदा वैश्विक चुनौतियों का सामूहिक समाधान तलाशा जाए । मेरी सरकार इसको सिर्फ एक डिप्लोमैटिक प्रोग्राम तक सीमित नहीं रखना चाहती । बल्कि यह पूरे देश के प्रयास से, **भारत के सामर्थ्य और संस्कृति को showcase** करने का अवसर है । इसलिए पूरे देश के दर्जनों शहरों में सालभर G-20 की बैठकें आयोजित की जा रही हैं ।

माननीय सदस्यगण, यह भारत के वैश्विक रिश्तों का बेहतरीन दौर है । हमने दुनिया के विभिन्न देशों के साथ अपने सहयोग और मित्रता को सशक्त किया है । एक तरफ हम इस वर्ष SCO की अध्यक्षता कर रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ QUAD का मेंबर होने के नाते, Indo-Pacific में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए काम कर रहे हैं ।

हमने अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए अपनी भूमिका का विस्तार किया है । अफगानिस्तान में भूकंप हो या फिर श्रीलंका का संकट, हम सबसे पहले मानवीय सहायता लेकर पहुंचे ।

भारत को लेकर आज जो सद्भाव है उसका लाभ हमें अफगानिस्तान और यूक्रेन में पैदा हुए संकट के दौरान भी मिला । संकट में फंसे अपने नागरिकों को हम इन देशों से सुरक्षित लेकर आए हैं । इस दौरान भारत ने कई अन्य देशों के नागरिकों की मदद करके अपना मानवीय स्वरूप फिर दुनिया के सामने प्रस्तुत किया ।

माननीय सदस्यगण, भारत ने आतंकवाद को लेकर जो कड़ा रुख अपनाया है उसको भी आज दुनिया समझ रही है । इसलिए आतंकवाद के विरुद्ध भारत की आवाज़ को हर मंच पर गंभीरता से सुना जा रहा है । पिछले वर्ष अक्टूबर में भारत में पहली बार UNSC काउंटर-टेररिज्म कमेटी की एक विशेष बैठक आयोजित की गई । इसमें भी भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध अपनी भूमिका को स्पष्ट किया । साइबर सिक्योरिटी से जुड़ी चिंताओं को भी मेरी सरकार गंभीरता से पूरे विश्व के सामने रख रही है ।

मेरी सरकार का साफ मानना है कि स्थाई शांति तभी संभव है, जब हम राजनीतिक और रणनीतिक रूप से सशक्त होंगे । इसलिए अपनी सैन्य शक्ति के आधुनिकीकरण पर हम निरंतर बल दे रहे हैं ।

माननीय सदस्यगण, लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत की अनंत यात्रा अनंत गौरवों से भरी हुई है ।

हमने लोकतंत्र को एक मानवीय संस्कार के रूप में विकसित किया है, समृद्ध किया है । अपने हजारों वर्षों के अतीत की तरह ही, आने वाली सदियों में भी भारत, मानवीय सभ्यता की अविरल धारा की तरह अनवरत गतिमान रहेगा ।

- भारत का लोकतंत्र समृद्ध था, सशक्त था, और आगे भी सशक्त होता रहेगा ।
- भारत की जीवटता अमर थी, आगे भी अमर रहेगी ।
- भारत का ज्ञान-विज्ञान और अध्यात्म सदियों से विश्व का मार्गदर्शन करता रहा है, और आने वाली सदियों में भी विश्व को इसी तरह राह दिखाएगा ।
- भारत के आदर्श और मूल्य, अंधकार से भरे गुलामी के दौर में भी अक्षुण्ण रहे हैं, और ये आगे भी अक्षुण्ण बने रहेंगे ।
- एक राष्ट्र के रूप में भारत की पहचान अतीत में भी अमर थी, और भविष्य में भी अमर रहेगी ।

लोकतंत्र के केंद्र, इस संसद में हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम मुश्किल लगने वाले लक्ष्य तय करें और उन्हें हासिल करके दिखाएं । जो कल होना है उसे आज पूरा करने की कोशिश करें । जिसे दूसरा कोई आने वाले दिनों में करने के बारे में सोच रहा है उसे हम भारतवासी पहले करके दिखा दें ।

आइये, अपने लोकतंत्र को समृद्ध करते हुए हम उस वेद-वाक्य को आत्मसात करें जिसमें कहा गया है -"संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम्?" । अर्थात्, हम सब एक साथ कदम से कदम मिलाकर चलें, हमारे संकल्प स्वरो में एकता का प्रवाह हो और हमारे अन्तःकरण एक दूसरे से जुड़े हुए हों ।

आइये, हम राष्ट्र निर्माण के इस महायज्ञ में अपने कर्तव्य पथ पर चलते हुए संविधान की शपथ को पूरा करें ।

धन्यवाद!

जय हिन्द!

जय भारत!

Honorable Members, It gives me great pleasure to address both Houses of Parliament assembled together. A few months back, our country completed 75 years of independence and entered the 'Amrit Kaal'. This 'Azadi ka Amrit Kaal' assimilates the pride of thousands of years of our glorious past, the inspirations of Indian freedom struggle and India's resolve for a golden future.

This 'Amrit Kaal' of 25 years is the period of the golden centenary of independence and the making of a developed India. This 25-year span is for all of us and for every citizen of the country to perform our duties to the utmost levels. An opportunity to build an era beckons us for which we need to work continuously with our full potential. By 2047, we have to build a nation, which not only embraces its glorious past, but also encompasses every golden aspect of modernity.

We have to build a Bharat, which is self-reliant and also able to fulfill its humanitarian obligations.

A Bharat which has no poverty and where the middle class is also prosperous.

A Bharat whose youth and women power will be at the forefront to give direction to the society and the nation, and whose youth are well ahead of time.

A Bharat whose diversity is even more vivid and whose unity becomes even more unshakeable.

When the country actualises this reality in 2047, it will certainly observe and assess the foundation of its grand construction. At that time, these initial moments of the Azadi ka Amrit Kaal will be viewed with a different perspective. Therefore, this time and this period of 'Amrit Kaal' has become all the more significant.

Honorable Members, When the people of the country gave my government the opportunity to serve them for the first time, we began with the mantra of 'Sabka Saath, Sabka Vikas'. With the passage of time, 'Sabka Vishwas' and 'Sabka Prayas' were also added to it. This mantra has now become the inspiration for building a developed India. In a few months, my government will complete nine years on this Kartavya Path of development.

In almost nine years of my government's term, the people of India have witnessed many positive changes for the first time. The biggest change is that today every Indian's confidence is at its peak and the world's outlook towards India has changed.

India which once looked at others for solutions to most of its problems, is today emerging as a provider of solutions for the issues faced by the world.

In these years, basic facilities have been made available to a large segment of the population who had waited for these for decades.

The modern infrastructure that we long aspired for, has started coming up in the country in these years.

The digital network that India has built is a source of inspiration even for developed countries.

The long felt urge to be rid of the scourge of mega scams and corruption in government schemes is now being realized.

? Today the debate is no longer about policy paralysis, instead India is being recognized for her rapid development and the far-sightedness of her decisions.

? That is why, we have now become the fifth largest economy in the world, up from the 10th spot.

This is the foundation which elevates the self-confidence for building a developed Bharat in the next 25 years.

Honorable Members, Lord Basaveshwara had said ? ?Kayakave Kailasa? which means Karma is worship and Shiva is in the Karma itself. Following this path, my government is actively engaged in performing the duty of nation building.

? Today India has a government which is stable, fearless, decisive and working with lofty ambitions.

? Today India has a government which respects the honest.

? Today India has a government working for permanent solution of the problems of the poor and their lasting empowerment.

? Today India has a government working at an unprecedented speed and scale.

? Today India has a government that gives pre-eminence to public welfare by leveraging innovation and technology.

? Today India has a government which is committed to removing every obstacle being faced by women.

? Today there is a government in India which is committed to progress as well as the protection of nature.

? Today India has a government that preserves heritage while also embracing modernity.

? Today India has a government which is moving forward confidently to play its rightful role on the global stage.

Honorable Members, Today, through this Session I express my gratitude to the people of the country for electing a stable government for two consecutive terms. My decisive government has always kept the country's interest paramount and shown the will-power to completely transform the policies and strategies when required. From surgical strike to a firm crackdown on terrorism, from a befitting response to every misadventure from LoC to LAC, from abrogation of Article 370 to Triple Talaq, my government has been recognized as a decisive government.

The stable and decisive government has enabled us to deal with the biggest calamity in 100 years and the situation that arose thereafter. Wherever in the world there is political instability, those countries are beset with severe crises today. But India is in a much better position than the rest of the world due to the decisions taken by my government in the national interest.

Honorable Members, My government is of the firm opinion that corruption is the biggest enemy of democracy and social justice. Therefore, there has been a relentless fight against corruption in the last few years. We have ensured that the honest will be honoured in the system. There is increasing social consciousness in the country that there should be no sympathy for the corrupt in the society.

In the last few years, the Benami Property Act was notified with a view to create a corruption-free ecosystem. The Fugitive Economic Offenders Act was passed to confiscate the properties of criminals who absconded after committing economic offences. An effective system has also been put in place to end the practice of favouritism and corruption in government machinery. Today there is a Government-e-Marketplace (GeM) system for tenders and

government procurement, in which transactions worth more than Rupees 3 lakh crore have taken place so far.

Today, special honor is being bestowed upon those making an honest contribution in nation building. Life of our countrymen has been made easier by doing away with the complexities of filing income tax returns. Promotion of faceless assessment has brought about transparency and accountability in the system. Earlier there was a long wait for tax refunds. Today, refunds are received within a few days of filing ITRs. Today the GST regime has provided transparency, along with ensuring the dignity of taxpayers.

From Jan Dhan-Aadhaar-Mobile trinity, which is weeding out fake beneficiaries to launching One Nation One Ration Card, we have undertaken major enduring reforms. Over the years, the country has developed a stable and transparent regime in the form of DBT and Digital India. Today the monetary benefits of more than 300 schemes are directly reaching the bank accounts of the beneficiaries. So far, an amount of more than Rupees 27 lakh crore has reached crores of beneficiaries with complete transparency. The World Bank report acknowledges that it was only due to such schemes and mechanisms that India was able to prevent crores of people from falling below the poverty line during the Covid pandemic.

Every taxpayer feels proud when corruption is reined in and every penny of tax is put to good use.

Honorable Members, Today an honest taxpayer of the country wants the governments to desist from the politics of shortcuts. He wants plans that encourage permanent solutions to problems and empower the common people. Therefore, my government has laid emphasis on the long lasting empowerment of the countrymen while dealing with the current challenges.

?Poverty eradication? is no longer just a slogan. Now my government is working towards empowering the poor by providing a permanent addressal to their concerns.

For instance, a major cause of poverty is illness. A serious ailment completely shatters the morale of a poor family, leaving generations in debt. To free the poor from this worry, a nationwide Ayushman Bharat Yojana was launched. Under this scheme, more than 50 crore countrymen have been provided the facility of free treatment. The Ayushman Bharat Yojana has saved crores of poor from becoming poorer, preventing them from spending Rupees 80,000 crore. Today medicines are being made available at very low cost in about 9,000 Jan Aushadhi Kendras spread across the country. As a result, about Rupees 20,000 crore of the poor have been saved in the past few years. That is, from Ayushman Bharat and Jan Aushadhi schemes alone, the countrymen have got assistance worth Rupees one lakh crore.

I would like to place before all of you the example of water, which is the most important resource in the lives of citizens. To provide ?Har Ghar Jal?, my government has started 'Jal Jeevan Mission'. In the seven decades before the launch of the Mission, water connections were available only to about 3.25 crore houses in the country. However, in these three years, about 11 crore families have been covered with piped water supply under the Jal Jeevan

Mission. The poor families are benefitting the most from this scheme, and it is providing a permanent solution to their problems.

In the last few years, the government has provided pucca houses to more than three and half crore poor families. With the house comes a new self-confidence. This not only improves the present condition of the family, but also enhances the self-confidence of the child who grows up in that house. The government has tried to relieve the poor from their worries by providing basic facilities like toilet, electricity, water, cooking gas etc. As a result, people of the country have got confidence that government schemes and benefits actually reach the needy and 100 percent coverage or saturation is possible even in a vast country like India.

It is written in our scriptures-

Ayam nijah paroveti ganana laghuchetasam

It means the attitude that this is mine and that is yours is not correct. In the last 9 years, my government has worked for all classes of citizens without any discrimination. As a result of the efforts of my government in the last few years, many basic facilities have either reached cent percent of the population or are very close to that target.

My government is fully committed to saturation of all schemes, and to Antyodaya. It is our endeavour that all the rightful beneficiaries get benefits of government schemes and no one is deprived of the same.

Honorable Members, During the Covid pandemic, we have witnessed the difficulties of the poor all over the world. But India is one of those countries which accorded top priority to save the lives of the poor and ensured that poor were not deprived of food. I am happy that my government has decided to implement the PM Garib Kalyan Anna Yojana in line with the changing circumstances. This is the hallmark of a sensitive and pro-poor government. The government has spent about Rupees 3.5 lakh crore for free food grains to the poor under the PM Garib Kalyan Anna Yojana. Today this scheme is being appreciated all over the world. One of the reasons for this appreciation is that a transparent mechanism built with the help of technology has ensured full delivery of foodgrains to every beneficiary

Honorable Members, The vision of holistic development can only be achieved by paying proper attention to the hopes and aspirations of the many classes and regions of our country. Now my government is giving priority to each such deprived class and deprived region.

My government has fulfilled the wishes of each such section of society which has been deprived for centuries. We have fulfilled the wishes of the poor, dalits, backwards and tribal communities and given them the courage to dream. No work, no effort is small, and each has its role in development. With this spirit, emphasis is being laid on the development of deprived sections and underdeveloped regions.

A large number of our small businessmen carry out their business and trading activities on footpaths, on carts and through street vending. My government has appreciated the role of these partners in development as well. Therefore, they have been linked to formal banking for the first time and affordable and collateral-free loans were made available to them through the PM SVANidhi scheme. Incentives are being provided for digital transactions to street vendors under the scheme. So far, about 40 lakh vendor partners have been given loans under this scheme.

11 crore small farmers of the country are also on the priority list of my government. These small farmers were deprived of government priority for decades. Now every effort is being made to make them empowered and prosperous. These small farmers have been given financial assistance of more than Rupees 2.25 lakh crore under the PM Kisan Samman Nidhi. An important aspect of this is that there are about three crore women among these beneficiaries. So far, the women farmers have received about Rupees 54,000 crore under this scheme. Similarly, while increasing the coverage of crop insurance, soil health card and Kisan Credit Card (KCC) for small farmers, my government has, for the first time, also linked cattle bearers and fishermen with the facility of Kisan Credit Card. My government stands firmly with small farmers for enhancing their capacity from setting up of FPOs i.e. Farmer Producer Organizations to increasing MSP of crops.

Honorable Members, My government has awakened the aspirations of the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes. These classes were most deprived of the benefits of development. Now that basic facilities are reaching this section, these people are becoming capable of having newer dreams. Programmes such as Dr. Ambedkar Utsav Dham, Amrit Jaldhara and Yuva Udyami Yojana are being run for the socio-economic empowerment of Scheduled Castes. My government has taken unprecedented decisions for the pride of the tribal communities. For the first time, the country started celebrating the birth anniversary of Bhagwan Birsa Munda as 'Janjatiya Gaurav Diwas'. Recently, the government paid tribute to the tribal revolutionaries at the national level in Mangarh Dham for the first time. Today, more than 36,000 tribal-dominated villages are being developed under the Pradhan Mantri Adi Adarsh Gram Yojana. Today more than 400 Eklavya Model Schools have opened in tribal areas in the country. More than 3,000 Van Dhan Vikas Kendras have become new means of livelihood across the country. My government has demonstrated its commitment to the welfare of OBCs by giving constitutional status to the National Commission for Backward Classes. For the first time, a Welfare and Development Board has also been constituted for the Banjara, nomadic and semi-nomadic communities.

Honorable Members, There were more than 100 districts in the country which were lagging behind on many parameters of development. Government paid attention to their development by declaring these districts as aspirational districts. Today these districts are moving towards parity with other districts of the country. My government is now working to replicate the success of aspirational districts at the block level, and for this, work has been started to develop 500 blocks as aspirational blocks in the country. These aspirational blocks are being developed in an institutionalized manner for social justice.

Tribal, hilly, coastal and border areas of the country could only receive limited benefits of development in the past few decades. Difficult terrain, along with unrest and terrorism, posed major challenge to development of the North East and Jammu & Kashmir. My government has taken a number of successful steps for lasting peace and has confronted the geographical challenges. As a result, the North East and our border areas are experiencing a new pace of development.

My government has started working on the Vibrant Village programme to provide better facilities to the border

villages. From the point of view of national security too, unprecedented infrastructure has been developed in the border areas in the past few years. This has accelerated development in such areas. The left-wing extremism, which had become a major threat to national security in the last few decades, has now been confined to a few districts.

Honorable Members, A major achievement of my government has been the empowerment of women. In this context, I am reminded of an inspiring poem titled 'Nari-Shakti', written by 'Utkal Bharti', Kuntala Kumari Sabat, an immortal personality of Indian literature, freedom fighter and well-known Odia poetess. About a hundred years ago she said:

"Basundhara-Tale Bharat-Ramani Nuhe Heen Nuhe Deen

Amar Kirti Koti Yuge Kebhen Jagtun Nohib Leen.?"

In other words

The woman of India is neither inferior nor weak compared to anyone else. Her immortal glory will never disappear for ages and remain forever in the whole world.

I feel proud to see our sisters and daughters bringing laurels at the world level as per the dreams of Utkal Bharti. I am happy that my government's efforts have been the driving force behind such progress.

All the welfare schemes launched by my government have at the centre of them a vision to make life easier for women, provide new opportunities for employment and self-employment to women and ensure women empowerment. For the upliftment of women, even when the old beliefs and old traditions had to be broken, the government has not backed down.

We have seen the success of 'Beti Bachao, Beti Padhao' campaign. The consciousness that has come in the society due to efforts of the government has led to a steady increase in the number of daughters. For the first time in the country, female population now outnumbers that of males and health of women has also improved considerably. Be it the Pradhan Mantri Surakshit Matritva Abhiyan or the Pradhan Mantri Matru Vandana Yojana, we have succeeded in saving the lives of both mother and child. About 50 percent of the beneficiaries of the Ayushman Bharat scheme are also women.

Honorable Members, From education to their career, my government is trying to remove all obstacles for daughters. Through efforts like the construction of separate toilets for girls in the government schools of the country or the scheme related to sanitary pads, the drop-out rate of girls has come down sharply. The Swachh Bharat Abhiyan has not only increased the dignity of women, it has also provided them a safe environment. For the first time, savings accounts have been opened for the brighter future of crores of daughters across the country under the Sukanya Samridhi Yojana. Many important steps have also been taken for the education of girls in the new National Education Policy.

My government has also ensured that women are not restricted from carrying out any work or participating in any field of work. For this purpose, recruitment in every sector from mining to forward posts in the army, has been

thrown open to women. Our daughters are now studying and training in Sainik Schools as well as military academies. It is my government which has increased the maternity leave from 12 weeks to 26 weeks.

About 70 percent of the beneficiaries under the Mudra Yojana are women entrepreneurs. A study suggests that this scheme has increased the economic power of women and their participation in social decisions. Women's self-confidence has got a boost after the houses allotted under the PM Awas Yojana have been registered in their names. Jan Dhan Yojana has led to the parity between women and men in access to banking services in the country for the first time. At present, there are more than 80 lakh self-help groups functioning in the country, in which about nine crore women are associated. Assistance of lakhs of crores of rupees is being given by the government to these women self-help groups.

Honorable Members, Our heritage connects us to our roots and our development gives us the courage to reach out to the sky. That is why my government has chosen the path of consolidating heritage and giving priority to development.

Today, on the one hand, Ayodhya Dham is being constructed in the country, while on the other hand, the modern Parliament House is also being built.

On the one hand, we have constructed Kedarnath Dham, Kashi Vishwanath Dham and Mahakal Mahalok, on the other hand, our government is also building medical colleges in every district.

On the one hand, we are developing our pilgrimage centres and historical legacy, while on the other hand, India is becoming major space power of the world. India has also launched its first private satellite.

On the one hand, we are following the path shown by saints like Adi Shankaracharya, Lord Basaveshwara, Thiruvalluvar, Guru Nanak Dev, and on the other hand, today India is also becoming a hub of hi-tech knowledge.

On the one hand, we are strengthening the spirit of Ek Bharat-Shreshtha Bharat through Kashi-Tamil Sangamam, while on the other, we are also developing modern systems like One Nation, One Ration Card. India's strength in Digital India and 5G technology is being acknowledged by the world today.

Today, while India is taking its ancient methods like Yoga and Ayurveda to the whole world, on the other hand, it is also strengthening the country's new identity as the Pharmacy of the World.

Today, while India is encouraging natural farming and its traditional millet crops, we have also developed modern technology like Nano Urea.

On the one hand, while we are improving the rural infrastructure for agriculture, on the other hand, we are also empowering the farmers through drone technology and solar power.

While emphasis is being laid on the development of smart facilities in the cities, mapping of village houses is

being done through drones under the Swamitva Yojana for the first time.

While 75 Amrit Sarovars are being built in every district on the occasion of the Azadi ka Amrit Mahotsav, at the same time hundreds of modern Vande Bharat trains are also being launched.

On the one hand, the traditional strength of our trade, that is, the river waterways and ports, are being modernized, along with this multimodal connectivity and a network of logistic parks are also being developed.

Honorable Members, The country is moving ahead with the inspiration of 'Panch Prāns' in the Amrit Kaal of independence. My government is constantly trying to get rid of every sign of 'slave mentality'.

What was once Rajpath is now the Kartavya Path!

Today, the statue of Netaji Subhas Chandra Bose on Kartavya Path is making every Indian proud and we have honored the valour of Netaji and the Azad Hind Fauj in Andaman and Nicobar also. Just a few days ago, my government also laid the foundation stone of a grand memorial and museum dedicated to Netaji Subhas Chandra Bose on an island named after him in the Andaman and Nicobar Islands.

21 islands of Andaman and Nicobar have also been named after Param Vir Chakra awardees of the Indian Army.

On the one hand, the National War Memorial has become a symbol of national valour, while on the other, our Navy has also got the insignia given by Chhatrapati Veer Shivaji Maharaj.

On the one hand, while museums related to all tribal freedom fighters, including Bhagwan Birsa Munda, are being built, on the other hand, Dr. Babasaheb Ambedkar's Panchteerth have also been built. Similarly, the Prime Minister's Museum has also been built showcasing the contribution of every Prime Minister.

The country has observed the first 'Veer Bal Diwas' with pride and reverence. My government has also initiated the observance of 'Vibhajan Vibhishika Smriti Diwas' in the country to keep alive the agony of history and the learnings associated with them.

The country has started reaping the fruits of success of the Make in India and the Atmanirbhar Bharat campaigns. Today India's manufacturing capacity is increasing and manufacturing companies from all over the world are also coming to India.

Today we have initiated efforts for manufacturing of semiconductor chips and aeroplanes in India. It is the result of such efforts that the export of goods made in India is increasing continuously. Until a few years ago, we used to import mobile phones in large numbers. Today India has become a major exporter of mobile phones to the world. The import of toys in the country has decreased by 70 percent, while their export has increased by more than 60

percent.

As a result of new initiative of my government, our defence exports have grown 6 times. I am proud that the first indigenous aircraft carrier INS Vikrant has also joined our forces. We are not only entering new sectors of manufacturing, but are also doing commendable work in our traditional sectors like Khadi and Village Industries. It is a matter of happiness for all of us that the turnover of the khadi and rural industries has crossed Rupees 1 lakh crore mark during the Azadi ka Amrit Mahotsav. Due to the efforts of my government, the sale of Khadi has also increased 4 times.

Honorable Members, My government has constantly laid unprecedented emphasis on innovation and entrepreneurship. This is harnessing the strength of our country with the world's youngest population. Today our youth are demonstrating the power of their innovation to the world. In 2015, India was ranked 81st in the Global Innovation Index. Now it has reached the 40th position. Seven years earlier, there were only a few hundred registered start-ups in India, today this number is almost 90,000.

In today's era, it is very important for our forces to be enriched with youth power, to be proficient in warfare and to be equipped with the power of technology. Keeping these principles in mind, Agniveer Yojana has been launched. This will give maximum opportunity to the youth of the country to serve the nation through the armed forces.

My government is also connecting the power of the youth with the honour of the country through sports. Our sportspersons have proved that their talent is second to none by performing phenomenally in Commonwealth Games, Olympics and Para Games. Along with Khelo India Games and Khelo India Centers, TOPS scheme is being implemented to spot and nurture such sporting talents in every nook and corner of the country.

Our government is also fully sensitive to the welfare of the Divyang. One sign language and Sugamya Bharat Abhiyan in the country have tremendously helped the Divyang youth.

Honorable Members, Over the past decades, we have noticed two major challenges in building infrastructure in India. Firstly, large infrastructure projects could not be completed on time. Secondly, different departments and governments worked according to their own convenience. This not only resulted in the misuse of government resources and time overruns, but also caused inconvenience to the common man. My government has taken concrete steps to deal with these challenges by formulating the PM Gati-Shakti National Master Plan. States and Union Territories have also shown enthusiasm regarding the PM Gati-Shakti National Master Plan. This will also expand multi-modal connectivity in the country.

My government is striving to make India the most competitive logistics hub of the world. For this, the National Logistics Policy was launched in the country last year. Implementation of this policy will result in reduction of logistics cost.

The speed and scale at which my government is working for the development of the country is unprecedented and unparalleled.

? After the formation of my government, on an average, 11,000 houses were built every day for the poor in India, under the Awas Yojana.

? In the same period, an average of 2.5 lakh people got connected to broadband every day in India.

? More than 55,000 gas connections were given every day.

? Loans worth more than Rupees 700 crore were disbursed every day under the Mudra Yojana.

? In India, almost one medical college has come up every month in the last eight-nine years.

? During this period, two colleges have been established every day and a university established every week.

? Within just 2 years, India has administered more than 220 crore vaccine doses.

Talking about social infrastructure, while 145 medical colleges were opened in the country between 2004 and 2014, more than 260 medical colleges have been opened during the tenure of my government from 2014 to 2022. The number of graduate and postgraduate seats for medical students has now doubled in the country as compared to earlier period. While there were about 725 universities in the country before 2014, more than 300 new universities have been set up in the last eight years. More than 5000 colleges have also been opened in the country during this period.

Similarly, new records have been made in the country in terms of physical infrastructure. About 3.81 lakh km of roads were built in the country till 2013-14 under the Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana. However, by 2021-22, this network of rural roads has increased to more than 7 lakh km. So far, more than 99 percent of the country's habitations have been connected by road. Studies by many organizations, including the World Bank, indicate that rural roads have had a very positive impact on employment, agriculture, education and health in villages.

The National Highway network has grown by more than 55 percent during the last eight years. Soon, more than 550 districts of the country will be connected by highways under the Bharatmala project. The number of corridors which will give impetus to the economy is going to increase from 6 to 50.

Similarly, the country's aviation sector is also growing rapidly. Upto 2014, the number of airports in the country was 74, it has now increased to 147. Today India has become the third largest aviation market in the world. The UDAN Yojana has played an important role in this regard. Indian Railways is emerging as a modern institution and many inaccessible areas are being added to the rail map of the country. A modern and semi high-speed train has become part of the Indian Railways in the form of Vande Bharat Express. Inaccessible areas of Jammu Kashmir and North East are also being connected by Railways. Major railway stations of the country are being modernized. Indian Railways is fast moving towards becoming the world's largest electric railway network. We are also rapidly expanding indigenous technology -- KAVACH -- to make Indian Railways safer.

Honorable Members, India has also changed the perception, which considers progress and nature as contradictory. My government is focusing on green growth and is emphasizing on connecting the entire world with

Mission LiFE. The government has increased the solar power capacity by almost 20 times in the last eight years. Today, India ranks fourth in the world in renewable energy capacity. The country has already achieved the target of making 40 percent of its electricity generation capacity from non-fossil fuel sources, nine years ahead of the target. This success is going to strengthen our resolve to be Net Zero by the year 2070. The country is also rapidly progressing towards the target of 20 percent ethanol blending in petrol.

The government has also approved Hydrogen Mission recently. This is going to attract investment worth lakhs of crores of rupees in India in the field of green energy. This will result in reducing our dependence on foreign countries for clean energy and also for energy security. Reducing pollution in our cities is also our top priority. Therefore, work is underway on a very large scale for electric mobility. Under the FAME scheme, more than 7,000 electric buses are being added to public transport by the central government in many cities of the country, including the capital city of Delhi. In the last eight years, metro network in the country has increased more than 3 times. Today, metro projects are underway in 27 cities. Similarly, more than 100 new waterways are also being developed across the country. These new waterways will help transform the transport sector in the country.

Honorable Members, Today's world is witnessing many challenges. The relevance and efficacy of international institutions created decades ago is also being questioned. Under these circumstances, India has emerged as a country that is connecting today's divided world in some form or the other. India is today among those countries that are reinforcing the trust in the global supply chain. Therefore, today, the world is looking towards India with high hopes.

This year, India has assumed the Presidency of an influential global group like G-20. With the mantra of One Earth, One Family, One Future, India is attempting to find collective solutions to the current global challenges in collaboration with the G-20 member countries. My government does not want to limit it to just one diplomatic programme. Rather, it is an opportunity to showcase India's potential and culture, through the efforts of the entire country. Therefore, G-20 meetings are being held in dozens of cities across the country throughout the year.

Honorable Members, This is the best phase of India's global relations. We have strengthened our cooperation and friendship with various countries of the world. On the one hand, we are chairing the SCO this year, and on the other, being a member of the Quad, we are working for peace, stability and prosperity in the Indo-Pacific.

We have expanded our role keeping our national interests paramount. Whether it was the earthquake in Afghanistan or the crisis in Sri Lanka, we were the first to provide humanitarian aid.

The goodwill that India has generated benefitted us during the crises in Afghanistan and Ukraine. We safely evacuated our distressed citizens from these countries. By helping the citizens of many other countries, India again displayed its humanitarian gesture to the world.

Honorable Members, Today the world is also acknowledging India's tough stand on terrorism. Due to this, India's voice against terrorism is being heard seriously on every global platform. In October last year, a special meeting of the UNSC Counter-Terrorism Committee was organized for the first time in India. In this too, India made its

position clear against terrorism. My government is also sincerely presenting the concerns related to cyber security before the whole world.

My government firmly believes that lasting peace is possible only when we are strong politically and strategically. Therefore, we are constantly laying emphasis on the modernization of our military strength.

Honorable Members, India's eternal journey as the mother of democracy is filled with infinite pride. We have developed and enriched democracy in a humane way. Like its glorious past of thousands of years, India's humane civilization will continue its forward march in the coming centuries like an eternal flowing stream.

·India's democracy was prosperous, strong, and will continue to be stronger in the future.

·India's consciousness was immortal and it will continue to be immortal.

·India's knowledge, science and spirituality have been guiding the world for centuries and it will continue to guide the world in the same way in the coming centuries.

·The ideals and values of India have remained intact even in the dark period of slavery, and they will continue to remain intact.

·India's identity as a nation was immortal in the past, and will remain immortal in the future as well.

In this Parliament, which is the heart of our democracy, it should be our endeavor to set goals that seem difficult and achieve them. We should try to accomplish today what is to be done tomorrow. What others are still thinking of doing, we Indians should accomplish before them.

Let's enrich our democracy by living up to the dictum of Veda which says ? "samgacchadhvam samvadadhvam sam vo manamsi janatam?. That is, let us walk together step by step, understand each other's mind and let there be a flow of unity in our resolutions.

Let us fulfill the oath of the Constitution by walking on our Kartavya Path in this Mahayagna of nation building.

Thank you!

Jai Hind!

Jai Bharat!

